पल पल दिल के पास तुम रहती हो . . .

डा विजय सुखवानी
लेखक, मोटिवेशनल स्पीकर
v1sukhwani@gmail.com

फ़िल्म 'ब्लैकमेल '(1973) का गीत 'पल पल दिल के पास तुम रहती हो' अपने ज़माने में जितना लोकप्रिय हुआ था उससे भी ज्यादा आज की युवा पीढ़ी में लोकप्रिय है इस कालजयी गीत के रचियता थे गीतकार राजेंद्र कृष्ण. वही राजेंद्र कृष्ण जिन्होंने 'जहां डाल डाल पर सोने की चिड़िया करती है बसेरा '(सिकंदर-ए-आजम) , 'ये हवा ये रात ये चांदनी' (संगदिल), 'वो भूली दास्तां लो फिर याद आ गयी '(संजोग), 'मेरा दिल ये पुकारे आजा '(नागिन), 'ये ज़िन्दगी उसी की है ' (अनारकली), 'चल उड़ जा रे पंछी '(भाभी), 'इतना ना मुझसे तू प्यार बढ़ा '(छाया), 'कौन आया मेरे मन के द्वारे' (देख कबीरा रोया), 'ये दुनिया नहीं जागीर किसी की (चौकीदार) जैसे अमर गीत फ़िल्मी संगीत को दिए . राजेन्द्र कृष्ण का जन्म 6 जून, 1919 को पाकिस्तान के जिला गुजरात के जलालपुर जट्टन गाँव में हुआ था. उनका पूरा नाम राजेन्द्र कृष्ण दुग्गल था. उन्हें बचपन से ही कविताएँ लिखने का शौक था. कॉलेज के बाद कुछ साल तक उन्होंने शिमला म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन में एक क्लर्क के रूप में काम किया. शिमला में आयोजित एक मुशायरे में जब उन्होंने अपनी ग़ज़लें पढ़ीं, तो जिगर मुरादाबादी जैसे महान शायर ने उनकी शायरी को खुलकर दाद दी. बस इसी हौसले के साथ वे किस्मत आज़माने बम्बई आ गये.

1940 के दशक के अंत में राजेन्द्र कृष्ण को फ़िल्मों में गीत लिखने का अवसर मिला, 1947 में उन्हें पहली फिल्म 'जनता' की पटकथा लिखने को मिली, इसी साल आई किशोर शर्मा निर्देशित फिल्म 'जंज़ीर' के गीत भी उन्हें लिखने को मिले मगर बड़ी सफलता उन्हें फ़िल्म 'प्यार की जीत 'और 'बड़ी बहन' से मिली. 1948 में बनी फ़िल्म 'प्यार की जीत' का सुरैया की आवाज़ में गाये गये गीत 'तेरे नैनों ने चोरी किया मेरा छोटा सा जिया परदेसिया' ने देश भर में धूम मचा दी. फिर आई फ़िल्म 'बड़ी बहन', जिसमें उनके लिखे गीत 'चुप-चुप खड़े हो जरूर कोई बात है,पहली मुलाकात है' ने उस समय के युवाओं को दीवाना कर दिया. इस गीत की सफलता से खुश होकर फ़िल्म के निर्माता-निर्देशक डी.डी. कश्यप ने उनको ऑस्टिन कार बतौर इनाम दी थी. ऑस्टिन कार उस समय बड़े बड़े लोगों के पास नहीं हुआ करती थी .

मगर उनकी जिंदगी में बड़ा मोड़ 1948 में तब आया ज़ब महात्मा गांधी की हत्या के बाद राजेन्द्र कृष्ण ने एक बेहद भावुक गीत लिखा 'सुनो सुनो ऐ दुनिया वालो, बापू की ये अमर कहानी'. हुस्नलाल-भगतराम के संगीत और मोहम्मद रफ़ी की आवाज़ से सजे इस गैर-फिल्मी गीत ने पूरे देश को रुला दिया. इस एक गीत की रिकॉर्डिंग की लाखों प्रतियाँ हाथों-हाथ बिक गईं और राजेन्द्र कृष्ण रातों-रात चर्चित गीतकार बन गए .

1950 और 1960 का दशक राजेन्द्र कृष्ण के करियर का स्वर्णकाल माना जाता है. 1951 में आई फ़िल्म 'बहार' में शमशाद बेगम का गाया गीत 'सैंया दिल में आना रे, ओ आके फिर न जाना रे, छम छमाछम छम' जबरदस्त मकबूल हुआ . फिर 1953 में फिल्म 'अनारकली' आई, जिसमें राजेंद्र कृष्ण ने 'ये ज़िन्दगी उसी की है जो किसी का हो गया', 'मोहब्बत ऐसी धड़कन है', 'जिंदगी प्यार की दो-चार घड़ी होती है', 'जाग दर्द-ए-इश्क जाग' जैसे मशहूर गीत लिखे थे.

1954 में आई फ़िल्म 'नागिन' के गीतों, 'मेरा मन डोले, मेरा तन डोले', 'मेरा दिल ये पुकारे' और 'जादूगर सैंया छोड़ो मोरी बहियां हो गई आधी रात' जबरदस्त हिट हुए और आज भी हमारे दिल में बसे हुए हैं उन्होंने अपने दौर के लगभग हर बड़े संगीतकार के साथ काम किया, विशेष रूप से सी. रामचन्द्र, मदन मोहन और हेमंत कुमार के साथ उनकी जोड़ीयां बहुत सफल रही. राजेन्द्र कृष्ण

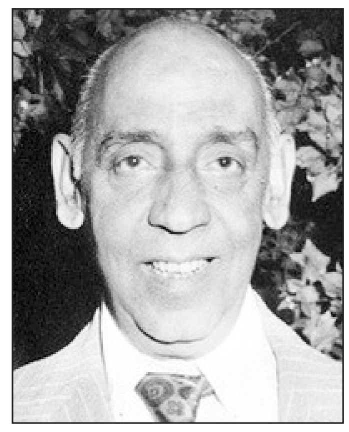

और मदन मोहन की जोड़ी तो हिंदी फ़िल्म संगीत की सबसे सफल जोड़ियों में गिनी जाती है. दोनों ने मिलकर हिंदी फिल्मों को अनेक यादगार गीत दिए. मदन मोहन की मधुर धुनों पर राजेन्द्र कृष्ण के संवेदना भरे शब्द जादुई असर पैदा करते थे. राजेंद्र कृष्ण ने मदन मोहन के कुल 614 गीतों में से 268 गीत लिखे. दोनों की जुगल बंदी से सजी कुछ यादगार फ़िल्में, 'वो कौन थी', 'जेलर', 'जहाँ आरा', 'पूजा के फूल', 'अनपढ़', 'संजोग', 'अदालत', 'गेटवे ऑफ़ इंडिया',और 'मनमौज़ी' हैं . इन फिल्मों के गीत आज भी श्रोताओं के बीच उतने ही लोकप्रिय हैं. विशेष रूप से 'वो भूली दास्तां लो फिर याद आ गयी' (संजोग), 'उनको ये शिकायत है कि हम कुछ नहीं कहते', 'जाना था हमसे दूर बहाने बना लिये', 'यूं हसरतों के दाग मोहब्बत में धो लिए' (अदालत), 'वो चुप रहें तो मेरे दिल के दाग जलते हैं', 'फिर वही शाम वही गम' (जहाँआरा), 'हम प्यार में जलने वालों को चैन कहाँ' (जेलर), 'सपने में सजन से दो बातें की एक याद रही, एक भूल गए' (गेटवे ऑफ़ इंडिया), 'कदर जाने ना' (भाई भाई) , 'हमसे आया ना गया तुमसे बुलाया ना गया' (देख कबीरा रोया), 'मैं तो तुम संग नैन मिला के हार गई सजना '(मनमौज़ी), 'न तुम बेवफा हो ना हम बेवफा हैं '(एक कली मुस्काई) जैसे गीत भारतीय संगीत की अमूल्य धरोहर बन चुके हैं. राजेन्द्र कृष्ण ने इनके अलावा कई और भी यादगार गीत जैसे 'गोरे गोरे ओ बांके छोरे '(समाधि), 'तुम्ही हो माता पिता तुम्ही हो '(मैं चुप रहूंगी), 'तुम ही मेरे मंदिर, तुम ही मेरी पूजा' (खानदान), 'इस भरी दुनिया में क़ोई भी हमारा न हुआ' (भरोसा), 'मेरे सामने वाली खिड़की में एक चाँद सा टुकड़ा रहता है' और 'एक चतुर नार बड़ी होशियार '(पड़ोसन) आदि लिखे.

राजेन्द्र कृष्ण केवल गीतकार ही नहीं थे, वे पटकथा और संवाद लेखन में भी सामान रूप से दक्ष थे. उन्होंने करीब सौ से ज्यादा फिल्मों की कहानी, संवाद और पटकथा लिखी, जिसमें कुछ मशहूर फ़िल्में 'पड़ोसन', 'छाया', 'प्यार का सपना', 'मनमौजी', 'धर्माधिकारी', 'मां-बाप', 'साधु और शैतान' जैसी फ़िल्में हैं. राजेंद्र कृष्ण की तमिल भाषा पर भी गहरी पकड़ थी, उन्होंने कई तमिल फिल्मों के लिए भी गीत लिखे और दक्षिण भारतीय सिनेमा में भी अपनी अमिट छाप छोड़ी.

वे हर सिचुएशन और हर तरह के श्रोताओं के लिए गीत लिख सकते थे फिर चाहे वो, 'वो भूली दास्तां लो फिर याद आ गयी '(संजोग) जैसा गहरी संवेदना का गीत हो, 'सुख के सब साथी दुख का न कोय '(गोपी) जैसा फ़िलोसफिकल गीत हो, 'मेरे पिया गए रंगून, किया है वहाँ से टेलीफ़ून '(पतंगा) जैसा हल्का-फुल्का लोकप्रिय गीत हो, 'ईना मीना डीका, डाई डामनिका '(आशा) जैसा फनी गाना हो, या फिर 'मेरी प्यारी बिंदू, मेरी भोली री बिंदू '(पड़ोसन) के जैसा अल्हड़-खिलंदड़ अंदाज़ में गाया गया गीत हो या फिर 'जरूरत है, जरूरत है, जरूरत है, एक श्रीमती की, कलावती की '(मनमौजी) जैसा चुलबुला रोमांस का गीत हो.

फ़िल्म उद्योग में उनकी प्रतिष्ठा एक ऐसे गीतकार की थी जो कम समय में उच्च स्तर के गीतों की की रचना कर सकता था. कहा जाता है कि राजेन्द्र कृष्ण अपने दौर के सबसे अमीर लेखक थे. हालांकि, यह अमीरी सिर्फ गानों की कमाई से नहीं आई थी. दरअसल, उन्हें घुड़दौड़ का बड़ा शौक था . 1960 के दशक के अंत में उन्होंने घोड़ों की रेस में एक बहुत बड़ा जैकपॉट जीता था, जिससे उन्हें अड़तालीस लाख रूपये मिले थे जो कि उस ज़माने के हिसाब से काफ़ी बड़ी रकम थी, जिसने उन्हें रातों-रात अमीर बना दिया था. परन्तु इतना बड़ा इनाम पाकर भी उनकी जीवन शैली जरा भी प्रभावित नहीं हुई, राजेन्द्र कृष्ण के पैर हमेशा जमीन पर ही रहे. उन्हें दिखावे और प्रपंच से सख्त नफ़रत थी. उनके घर में फ़िल्म उद्योग के बड़े बड़े लोगों का आना-जाना था, लेकिन राजेन्द्र कृष्ण खुद घर में लुंगी और बनियान पहनकर टहलते हुए गाने लिख दिया करते थे. जब भी उन्हें गीत की कोई पंक्ति सूझती तो वे आस-पास जो भी कागज़ मिलता, उस पर लिख देते थे फिर वो रेस्टोरेंट का बिल हो, पेपर नैपकिन हो या सिगरेट का पैकेट हो.

राजेन्द्र कृष्ण ने अपने करियर में तक़रीबन 250 फिल्मों में लगभग 1600 गीत लिखे. उन्हें कई पुरस्कारों और सम्मानों से नवाज़ा गया. वर्ष 1966 में फ़िल्म 'खानदान' के गीत 'तुम ही मेरे मंदिर, तुम ही मेरी पूजा' के लिए उन्हें फिल्मफेयर पुरस्कार प्राप्त हुआ. आज राजेन्द्र कृष्ण हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन जब कभी भी कहीं 'मेरे पिया गए रंगून', 'ये जिंदगी उसी की है', 'पल पल दिल के पास तुम रहती हो' जैसे गीत गूंजेगे, हमें गीतों के इस महान जादूगर की याद जरूर आएगी .

आज के लिये इतना ही, अगले सप्ताह फिर मुलाक़ात होगी, तब तक महान गीतकार राजेन्द्र कृष्ण के लिखे सदाबहार गीत सुनिए और सदा ख़ुश रहिये.

प्रभास के साथ फिल्म बनाएंगे आदित्य

प्रभास भारतीय सिनेमा के सबसे बड़े स्टार्स में से एक हैं और उनकी फिल्मों को लेकर हमेशा जबरदस्त क्रेज देखने को मिलता है. हालांकि हाल ही में रिलीज हुई 'द राजा साब' को दर्शकों से वैसा रिस्पॉन्स नहीं मिला, जिसकी उम्मीद की जा रही थी. इसके बाद अब प्रभास कई बड़े प्रोजेक्ट्स पर काम कर रहे हैं, जिनमें 'फौजी' सबसे ज्यादा चर्चा में है. बताया जा रहा है कि यह फिल्म अगस्त-सितंबर तक रिलीज के लिए तैयार हो सकती है, लेकिन आधिकारिक तौर पर अभी तक कोई पुष्टि नहीं की गई है.

इसी बीच एक नई खबर ने फिल्म इंडस्ट्री में हलचल पैदा कर दी है. चर्चा है कि राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता निर्देशक आदित्य धर, प्रभास को लेकर एक बड़ी फिल्म बनाने की योजना पर काम कर रहे हैं. आदित्य धर इससे पहले 'उरी: द सर्जिकल स्ट्राइक' जैसी सफल फिल्म दे चुके हैं, जिसने उन्हें इंडस्ट्री में एक अलग पहचान दिलाई थी. ऐसे में उनके और प्रभास के संभावित सहयोग को लेकर फैंस में भारी उत्साह देखा जा रहा है. हालांकि, अब तक इस प्रोजेक्ट को लेकर कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है. सूत्रों के अनुसार, यह सिर्फ शुरुआती बातचीत या संभावित विचार हो सकता है, जिसे लेकर अभी स्थिति स्पष्ट नहीं है. इंडस्ट्री में अक्सर इस तरह की खबरें सामने आती रहती हैं, लेकिन जब तक मेकर्स या कलाकारों की तरफ से पुष्टि नहीं होती, तब तक इन्हें सिर्फ अफवाह ही माना जाता है. प्रभास का शेड्यूल पहले से ही काफी व्यस्त बताया जा रहा है. वे कई बड़े बजट की फिल्मों पर काम कर रहे हैं, जिनकी रिलीज अगले साल तक तय मानी जा रही है. ऐसे में अगर आदित्य धर के साथ कोई प्रोजेक्ट बनता भी है, तो वह भविष्य की बड़ी फिल्मों में शामिल हो सकता है.

फिलहाल दर्शकों के लिए सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या यह जोड़ी वास्तव में बड़े पर्दे पर साथ नजर आएगी या यह सिर्फ एक फिल्मी चर्चा बनकर रह जाएगी. लेकिन इतना तय है कि अगर प्रभास और आदित्य धर एक साथ आते हैं, तो यह भारतीय सिनेमा के लिए एक मेगा प्रोजेक्ट साबित हो सकता है, जिस पर देशभर की नजरें टिकी होंगी.

कंगना की फिल्म ने रिलीज से पहले जीता दिल

बॉलीवुड अभिनेत्री कंगना रनौत की फिल्म 'भारत भाग्य विधाता' 12 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है और रिलीज से पहले ही यह फिल्म चर्चा का बड़ा विषय बन गई है. फिल्म 26/11 मुंबई आतंकी हमलों की पृष्ठभूमि पर आधारित है, जिसमें उस कठिन समय में अस्पतालों में काम करने वाले डॉक्टरों, नर्सों और अन्य स्वास्थ्यकर्मियों के साहस को दिखाया गया है. यह कहानी उन अनसुने नायकों को समर्पित है, जिन्होंने भय के बावजूद अपने कर्तव्य को प्राथमिकता दी.

फिल्म को लेकर दर्शकों की उत्सुकता उस समय और बढ़ गई जब फिल्म समीक्षक कुलदीप गढ़वी ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर इसका शुरुआती रिव्यू साझा किया. उन्होंने फिल्म को 5 स्टार रेटिंग देते हुए इसे बेहद भावनात्मक और प्रेरणादायक बताया. उनके अनुसार 'भारत भाग्य विधाता' केवल एक फिल्म नहीं बल्कि मानवता, साहस और निस्वार्थ सेवा को सलाम है. रिव्यू में उन्होंने यह भी लिखा कि फिल्म का हर दृश्य दर्शकों को भावनात्मक रूप से जोड़ता है और कई सीन इतने प्रभावशाली हैं कि वे रोंगटे खड़े कर देते हैं. इस तरह की प्रतिक्रिया ने फिल्म को रिलीज से पहले ही सकारात्मक माहौल दे दिया है. कंगना रनौत अपने दमदार किरदारों और अलग तरह की फिल्मों के लिए जानी जाती हैं, और यह फिल्म भी उसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है. देश की एक महत्वपूर्ण घटना को पर्दे पर दिखाने का प्रयास दर्शकों को भावनात्मक रूप से जोड़ने का काम करेगा. अब सभी की नजरें 12 जून पर टिकी हैं, जब यह फिल्म बड़े पर्दे पर रिलीज होगी और दर्शक खुद तय करेंगे कि यह कहानी कितनी असरदार साबित होती है.

टेलीविजन हलचल

सितंबर से शुरू होगी बिग बॉस 20 की शूटिंग

रियलिटी शो की दुनिया में 'बिग बॉस' का नाम सबसे बड़े और लोकप्रिय कार्यक्रमों में गिना जाता है. पिछले 19 सीजन से यह शो लगातार दर्शकों का मनोरंजन करता आ रहा है और अब इसके 20वें सीजन को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं. रिपोर्ट्स के मुताबिक, शो की तैयारियां तेजी से चल रही हैं और सितंबर के तीसरे सप्ताह से इसकी शूटिंग शुरू हो सकती है. इस बार भी शो की कमान सलमान खान के हाथों में रहने वाली है. सलमान का नाम बिग बॉस के साथ इस कदर जुड़ चुका है कि दर्शक उन्हें शो का अभिन्न हिस्सा मानते हैं. उनकी मेजबानी, कंटेस्टेंट्स के साथ बातचीत का अंदाज और 'वीकेंड का वार' एपिसोड हमेशा चर्चा में रहते हैं. यही कारण है कि सलमान की वापसी की खबर ने फैंस का उत्साह और बढ़ा दिया है. बिग बॉस 20 को खास बनाने के लिए मेकर्स कई नए प्रयोग करने की तैयारी में हैं. इस बार कुछ पुराने और चर्चित कंटेस्टेंट्स को भी दोबारा घर में लाने की योजना बनाई जा रही है. यदि ऐसा होता है तो दर्शकों को पुराने विवाद, दोस्ती और प्रतिद्वंद्विता का नया रूप देखने को मिल सकता है. यह कॉन्सेप्ट शो में एक नया रोमांच जोड़ सकता है. नए प्रतिभागियों के चयन के लिए ऑडिशन प्रक्रिया भी जल्द शुरू होने की संभावना है. मेकर्स ऐसे चेहरों की तलाश में हैं जो दर्शकों को मनोरंजन के साथ-साथ मजबूत व्यक्तित्व और दिलचस्प कहानियां भी दे सकें. सोशल मीडिया पर भी शो को लेकर चर्चाएं शुरू हो चुकी हैं और संभावित प्रतिभागियों के नाम सामने आने लगे हैं. बिग बॉस का हर सीजन अपने साथ नए विवाद, नए रिश्ते और कई यादगार पल लेकर आता है. ऐसे में 20वां सीजन और भी ज्यादा खास माना जा रहा है क्योंकि यह शो के दो दशक पूरे होने का प्रतीक भी है. अब दर्शकों की निगाहें मेकर्स की आधिकारिक घोषणा पर टिकी हैं. अगर रिपोर्ट्स सही साबित होती हैं, तो सितंबर के अंत से बिग बॉस का घर एक बार फिर मनोरंजन, रणनीति और ड्रामे का सबसे बड़ा मंच बनने के लिए तैयार होगा.

पुष्पा इम्पॉसिबल' में लौटीं बृंदा त्रिवेदी

सोनी सब के लोकप्रिय धारावाहिक पुष्पा इम्पॉसिबल में अभिनेत्री बृंदा त्रिवेदी की वापसी होने जा रही है. बृंदा त्रिवेदी एक बार फिर कादम्बरी के किरदार में नजर आएंगी, जिसकी एंट्री से शो की कहानी में नया मोड़ आने वाला है. निर्माताओं के अनुसार कादम्बरी की वापसी से पुष्पा की जिंदगी में नई चुनौतियां और पुराने तनाव लौटेंगे, जिससे आगामी एपिसोड्स में भावनात्मक टकराव और ड्रामा बढ़ेगा. हालांकि पर्दे पर कादम्बरी और पुष्पा के बीच तनावपूर्ण रिश्ते दिखाए जाते हैं, लेकिन वास्तविक जीवन में बृंदा त्रिवेदी और पुष्पा का किरदार निभाने वाली करुणा पांडेय के बीच गहरी दोस्ती है. बृंदा और करुणा एक-दूसरे को लंबे समय से जानती हैं और इंडस्ट्री में वर्षों से उनके बीच अच्छे संबंध रहे हैं. दोनों कलाकारों का कहना है कि उनकी दोस्ती और आपसी समझ का असर उनके अभिनय पर भी दिखाई देता है, जिससे स्क्रीन पर उनके दृश्यों में सहजता और प्रभाव बढ़ जाता है. अपनी वापसी को लेकर बृंदा त्रिवेदी ने कहा कि जिस सेट पर उन्होंने कई यादें बनाई हों, वहां लौटना हमेशा विशेष अनुभव होता है. उन्होंने कहा कि करुणा पांडे के साथ दोबारा काम करना उनके लिए बेहद सुखद रहा और शूटिंग के दौरान ऐसा लगा मानो दोनों के बीच समय का कोई अंतर आया ही नहीं हो. 'पुष्पा इम्पॉसिबल' में कादम्बरी की वापसी के साथ दर्शकों को आगामी एपिसोड्स में कई नए उतार-चढ़ाव देखने को मिलेंगे. यह धारावाहिक सोमवार से शनिवार रात 9 :30 बजे सोनी सब पर प्रसारित होता है.

धमाल 4 के लिए इंतजार हुआ कम

कॉमेडी फिल्मों के शौकीनों के लिए एक बड़ी खुशखबरी सामने आई है. 'धमाल 4' की रिलीज को लेकर मेकर्स ने नया ऐलान करते हुए फिल्म की रिलीज डेट 10 जुलाई 2026 तय कर दी है. इस घोषणा के साथ ही फिल्म का नया गोल्डन लोगो भी जारी किया गया, जिसने सोशल मीडिया पर फैंस के बीच उत्साह की लहर पैदा कर दी है.

धमाल' फ्रेंचाइज़ी पिछले कई वर्षों से भारतीय दर्शकों का मनोरंजन करती आ रही है. इसकी पहचान सिर्फ कॉमेडी तक सीमित नहीं रही, बल्कि ट्रेज़र हंट, गलतफहमियों और हास्यास्पद परिस्थितियों से पैदा होने वाले मनोरंजन ने इसे खास बनाया है. अब चौथी किस्त में मेकर्स पहले से ज्यादा बड़े स्तर पर रोमांच और हास्य का तड़का लगाने की तैयारी में हैं. फिल्म में एक बार फिर अजय देवगन, अरशद वारसी, रितेश देशमुख, जावेद जाफरी और संजय मिश्रा जैसे लोकप्रिय कलाकार नजर आएंगे. इनके अलावा ईशा गुप्ता, संजीदा शेख, अंजलि आनंद, उपेंद्र लिमये, विजय पाटकर और रवि किशन भी अहम भूमिकाओं में दिखाई देंगे. इतनी बड़ी स्टारकास्ट यह संकेत देती है कि फिल्म में कई नए ट्विस्ट और भरपूर कॉमिक ड्रामा देखने को मिलेगा. मेकर्स का दावा है कि 'धमाल 4' सिर्फ एक कॉमेडी फिल्म नहीं बल्कि एक ऐसा पारिवारिक मनोरंजन पैकेज होगी, जिसे हर उम्र के दर्शक पसंद करेंगे. फिल्म में ट्रेज़र हंट की थीम को और बड़े पैमाने पर पेश किया जाएगा, जहां हास्य, रोमांच और पागलपन का अनोखा मिश्रण देखने को मिलेगा. धमाल सीरीज की सबसे बड़ी ताकत उसके यादगार किरदार और उनकी कॉमिक केमिस्ट्री रही है. यही वजह है कि फ्रेंचाइज़ी की हर फिल्म ने दर्शकों को खूब हंसाया और बॉक्स ऑफिस पर भी अच्छा प्रदर्शन किया. अब चौथे भाग से भी ऐसी ही उम्मीदें लगाई जा रही हैं. फिल्म इंडस्ट्री के जानकारों का मानना है कि 'धमाल 4' की सबसे बड़ी पारिवारिक कॉमेडी फिल्मों में शामिल हो सकती है.

शादी के बाद अपारशक्ति की बदली किस्मत

अभिनेता अपारशक्ति खुराना ने खुलासा किया है कि शादी से पहले उन्हें मनोरंजन जगत में काम पाने के लिए काफी संघर्ष करना पड़ा था. अभिनेता अपारशक्ति खुराना ने हाल ही में नेहा धूपिया और अंगद बेदी के चैट शो डबल डेट में अपनी पत्नी आकृति खुराना के साथ शिरकत की, जहां उन्होंने अपनी जिंदगी और करियर से जुड़े कई दिल छू लेने वाले खुलासे किए. यह खास और भावुक एपिसोड हर गुरुवार नेहा के यूट्यूब चैनल पर स्ट्रीम होता है. बातचीत के दौरान अपारशक्ति ने इंडस्ट्री में अपने शुरुआती संघर्ष, अपने अलग सफर और एक्टिंग के अलावा अपने सपनों के बारे में खुलकर बात की. सफल अभिनेता बनने से पहले अपारशक्ति मुंबई में एक स्टाइलिस्ट के तौर पर काम करते थे और इंडस्ट्री में अपनी पहचान बनाने की कोशिश कर रहे थे.उन दिनों को याद करते हुए अपारशक्ति ने कहा, 'एक फेज था जब मैं सोचता था कि मेरे लिए बॉम्बे शिफ्ट होने का एक तरीका क्या हो सकता है. तो एक समय ऐसा भी था जब मैं मुंबई में स्टाइलिस्ट था. मैं कुछ होस्ट्स को स्टाइल किया करता था जो एक बहुत बड़े टीवी चैनल पर बॉलीवुड शोज होस्ट करते थे. धीरे-धीरे मैं जो अभी कर रहा हूं उसे अलविदा कह दूंगा.

चर्चा में वीर पहाड़िया की कश्मीर ट्रिप

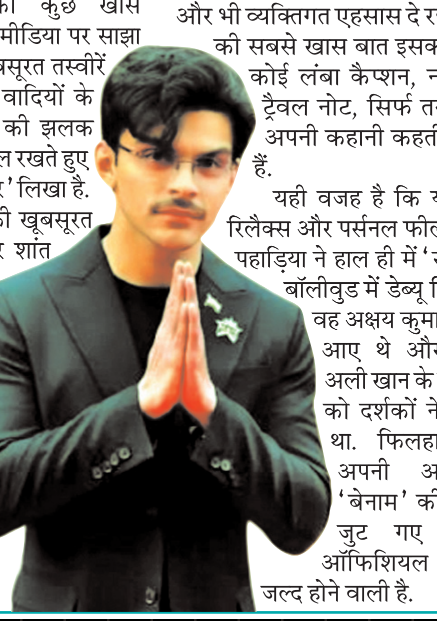

अभिनेता वीर पहाड़िया ने अपने कश्मीर ट्रिप की कुछ खास झलकियां सोशल मीडिया पर साझा करते हुए कुछ खूबसूरत तस्वीरें पोस्ट की हैं, जिसमें उन्होंने वादियों के बीच बिताए खूबसूरत पलों की झलक दिखाई है. पोस्ट को बेहद सिंपल रखते हुए वीर ने कैप्शन में सिर्फ 'कश्मीर' लिखा है. इन तस्वीरों में वीर कश्मीर की खूबसूरत वादियों, खुले आसमान और शांत माहौल का आनंद लेते नजर आ रहे हैं. इन तस्वीरों में उनके दोस्तों के साथ बिताए गए कुछ यादगार पल भी तस्वीरों में कैद हैं. गौरतलब है कि वीर की यह पोस्ट किसी एक खास पल की बजाय पूरे ट्रिप की यादों को सहज अंदाज में दिखाने की कोशिश कर रही है.

सालों से कश्मीर देश के सबसे खूबसूरत और सबसे ज्यादा पसंद किए जाने वाले पर्यटन स्थलों में से एक रहा है और वीर की यह पोस्ट एक बार फिर उसकी खूबसूरती को बयां करती नजर आ रही है. साथ ही इन तस्वीरों में प्राकृतिक नजारों और सफर के छोटे-छोटे पलों को बेहद सरल तरीके से दिखाया गया है, जो पोस्ट को और भी व्यक्तिगत एहसास दे रही हैं. इस पोस्ट की सबसे खास बात इसकी सादगी है. न कोई लंबा कैप्शन, न कोई विस्तृत ट्रैवल नोट, सिर्फ तस्वीरें, जो खुद अपनी कहानी कहती नजर आ रही हैं.

यही वजह है कि यह पोस्ट बेहद रिलैक्स और पर्सनल फील दे रही है. वीर पहाड़िया ने हाल ही में 'स्काय फ़ोर्स' से बॉलीवुड में डेब्यू किया है, जिसमें वह अक्षय कुमार के साथ नजर आए थे और उनकी सारा अली खान के साथ बनी जोड़ी को दर्शकों ने काफी सराहा था. फिलहाल अब वीर अपनी अगली फिल्म 'बेनाम' की तैयारी में भी जुट गए हैं, जिसकी ऑफिशियल अनाउंसमेंट जल्द होने वाली है.

22 साल बाद साथ दिखेंगे अक्षय-रवीना

बॉलीवुड के खिलाड़ी कुमार अक्षय कुमार इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' को लेकर लगातार सुर्खियों में बने हुए हैं. यह फिल्म लोकप्रिय 'वेलकम' फ्रेंचाइजी का अगला भाग है और लंबे समय से दर्शकों के बीच चर्चा का विषय बनी हुई है. फिल्म में कई बड़े सितारे नजर आने वाले हैं, लेकिन सबसे ज्यादा चर्चा जिस नाम को लेकर हो रही है, वह है रवीना टंडन.

रवीना टंडन इस फिल्म का हिस्सा बनने जा रही हैं. इसके साथ ही करीब 22 साल बाद अक्षय कुमार और रवीना टंडन एक साथ बड़े पर्दे पर दिखाई देंगे. दोनों ने 90 के दशक में कई यादगार फिल्मों में काम किया था और उनकी जोड़ी उस दौर की सबसे पसंदीदा जोड़ियों में गिनी जाती थी. उनकी फिल्मों के गाने और रोमांटिक दृश्य आज भी दर्शकों के बीच लोकप्रिय हैं. फिल्म इंडस्ट्री में अक्षय और रवीना की ऑनस्क्रीन केमिस्ट्री हमेशा चर्चा का विषय रही है. ऐसे में जब दोनों के एक बार फिर साथ आने की खबर सामने आई तो सोशल मीडिया पर फैंस ने खुशी जाहिर की. कई लोगों का मानना है कि यह फिल्म पुरानी यादों को ताजा करने का काम करेगी. 'वेलकम टू द जंगल' को बड़े स्तर पर तैयार किया जा रहा है. फिल्म में कॉमेडी, एक्शन और मनोरंजन का भरपूर तड़का देखने को मिलेगा. निर्माता और निर्देशक इसे फ्रेंचाइजी की अब तक की सबसे बड़ी फिल्म बनाने की कोशिश में जुटे हैं. ऐसे में रवीना की मौजूदगी फिल्म को और खास बना सकती है.